आज की मुरली का सहज सार और सहज पुरुषार्थ ---------- Date: 13-08-14

नयी दुनिया के रचयिता, परमप्रिय-परमपिता-परमात्मा शिवबाबा ने हम बच्चों से कहा, मीठे बच्चे - बाप, टीचर और सतगुरु यह तीन अक्षर याद करो तो उनकी शिफ्तें (विशेषतायें) भी याद आ जायेंगी.

बाबा ने आज सारी मुरली में बार-बार हम बच्चों को बाप को याद करने की एक और युक्ति बताते हुए कहा की बाप को उनके तीन ऑक्युपेशन - बाप, टीचर, और सतगुरु के रुप में याद करो, क्योंकि इस सारे कल्प के सृष्टि चक्र के ड्रामा में, सर्व आत्माओं में से एक बाप की ही आत्मा हैं जो तिन रोल अदा करती हैं - बाप, टीचर और सतगुरु. वह हम भाग्यशाली आत्माओं को बाप बन कर नयी दुनिया का वर्सा देते हैं, टीचर बनकर हमें नयी दुनिया में पार्ट बजाने के लिए पढ़ा कर तैयार करते हैं और सतगुरु बनकर हमें नयी दुनिया में भेज देते हैं. इस लिए जब हम अपने मन से याद करते हैं - वह हमारा बाप, टीचर और सतगुरु हैं - तो हमारी याद उसे तुरंत पहुँचती हैं क्योंकि सारे कल्प में एक ही आत्मा हैं जो यह तीनों पार्ट प्ले करती हैं.

बाबा ने जीतनी बार आज की मुरली में हमें उनको बाप, टीचर और सतगुरु के रूप में याद करने को कहा उसे फिरसे एक बार रिपिट करेंगे तो हमारे में बाप की याद सहज और पक्की होती जायेंगी.

- रुहानी बाप के रुहानी बच्चे यह तो हर एक जानते होंगे कि बाबा हमारा बाप भी हैं, टीचर भी हैं और सतगुरु भी हैं.

- कोई भी आये तो समझाना चाहिए कि जिसको भगवान कहा जाता हैं वह हमारा बाबा भी हैं, टीचर भी हैं और सतगुरु भी हैं.

- तुम बच्चे जानते हो हमारा बाबा बाप भी हैं, टीचर भी हैं और सतगुरु भी हैं.

- बाबा हमारा बाप भी हैं, शिक्षा भी देते हैं, वर्सा भी देते हैं, पवित्र भी बनाते हैं क्योंकि पतित-पावन बाप हैं और सबको सद्गति भी देते हैं.

- तो बाप बच्चों को कहते हैं सिर्फ यह विचार करो - बाबा हमारा बाप भी हैं, टीचर और सतगुरु भी हैं. सबको ले जाते हैं.

- तुम बैठे हो बाप, टीचर, सतगुरु के सामने तो वहीं याद आना चाहिए ना.

- यह शिवबाबा बाप, टीचर और सतगुरु हैं.

- यह हैं बहुत सहज ज्ञान और सहज योग. बाप, टीचर, सतगुरु को याद करने से उनकी शिफ्तें (विशेषतायें) भी बुद्धि में आ जायेंगी.

- शिवबाबा ही तुम्हारा बाप, टीचर, सतगुरु हैं उनको याद करो.

ॐ शांति. Please provide your feedback to Atma Bhai on email – a.brahmin.soul@gmail.com.